केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450

9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 195 शनिवार 8 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गूंगा बहरा बेटा लापता, परिजन परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के टांगपारा निवासी परशुराम का लगभग 34 वर्षीय पुत्र अजय कुमार जो जन्म से ही गूंगा बहरा है 2 फरवरी रविवार की रात्रि में साईकिल लेकर घर से लापता हो गया। अजय कुमार की माता ने इस सम्बन्ध में कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया है। अजय कुमार की रिश्तेदार और आस पास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की गई किन्तु उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। अजय कुमार के परिजन परेशान है और उसकी तलाश में जुटे हुये हैं।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने संभाला कार्यभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व जेडी बस्ती डॉ. राजेश कुमार त्रिपाठी ने बस्ती मंडल के अपर निदेशक पशुपालन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके स्थान पर कौशाम्बी से ट्रांसफर होकर बस्ती आए डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। दोनों अधिकारियों को पशु चिकित्साधिकारी संघ, पशुपालन विभाग कर्मचारी संघ ने माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। पशु चिकित्सा सेवा संघ जिलाध्यक्ष डॉ. सतीष वर्मा, डॉ. अजय कुमार वरुण, डॉ. प्रेमप्रकाश वर्मा डिप्टी सीवीओ, डॉ. महेन्द्र तिवारी, डॉ. सीमा भारती डिप्टी सीवीओ, विकास भवन कर्मचारी संघ अध्यक्ष रामधार पाल, विजय श्रीवास्तव आदि ने स्वागत किया।

मां के हत्यारे बेटे को सश्रम कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के न्यायाधीश विजय कुमार कटियार की अदालत ने गैर–इरादतन हत्या के मामले में आरोपी बेटे को छह वर्ष सश्रम कारावास व पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतानी पड़ेगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजय बहादुर पाल ने अदालत को बताया कि रुधौली थानाक्षेत्र के हटवा बाजार निवासी जमाल अहमद ने थाने पर तहरीर देकर कहा कि पांच सितंबर 2023 को सांय 7.20 बजे मेरा भाई मोहम्मद अहमद ने आपसी पारिवारिक विवाद को लेकर गाली–गलौज देते हुए मुझे व पिता अब्दुल कलाम तथा माता साफिया को लाठी–डंडे से बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। घायल अवस्था में सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इलाज के दौरान 19 सितंबर 2023 को मां साफिया की मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अहमद के विरुद्ध आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के उपरांत साक्ष्य के आधार पर आरोपी मोहम्मद अहमद को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

मतगणना से पहले पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर एसीबी का छापा

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को उस समय राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई, जब भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की एक टीम आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के 5, फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर पहुंची। इससे एक दिन पहले ही केजरीवाल ने भाजपा पर आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पूर्व पार्टी के 16 उम्मीदवारों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि आप उम्मीदवारों को पाला बदलने पर भाजपा की ओर से मंत्री पद और 15–15 करोड़ रुपये मिलने का प्रस्ताव मिला है। दिल्ली की 70 विधानसभा सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान हुआ था और नतीजे शनिवार को घोषित किए जाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के आरोपों की जांच एसीबी से कराने के आदेश दिए।

हालांकि, स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब आप नेताओं ने एसीबी अधिकारियों को केजरीवाल से मिलने से रोक दिया और उन पर भाजपा के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी के विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख संजीव नसियार ने कहा कि एसीबी के पास न तो वारंट है और न ही जांच का आदेश। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ केजरीवाल के घर के बाहर बैठे हैं और उन्हें नहीं पता कि क्या करना है।

नसियार ने कहा, "हमने उन्हें (एसीबी अधिकारियों) केजरीवाल के आवास में प्रवेश करने और उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी है। जब हमने पूछा कि वे यहां क्यों आए हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें केजरीवाल से शिकायत लेने के लिए भेजा गया है।" उन्होंने कहा, "आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह पहले ही शिकायत दर्ज कराने के लिए एसीबी के कार्यालय पहुंच चुके हैं। वे (एसीबी अधिकारी) बस फोन पर किसी और से आदेश ले रहे हैं। यह भाजपा का एक राजनीतिक हथकंडा मात्र है।"

सिंह ने आरोप लगाया कि 16 से ज्यादा आप उम्मीदवारों से संपर्क कर उन्हें पार्टी से अलग करने की कोशिश की गई है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, "हमने पहले ही एक ऐसे मामले का फोन नंबर जारी कर दिया है और अब हम शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं। जांच के दौरान सभी विवरण सामने आ जाएंगे। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि कम से कम एक के खिलाफ कार्रवाई करके दिखाए।"

महाकुंभ में लगी भीषण आग, 22 टेंट जलकर खाक

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ नगर के सेक्टर–18 में स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के शिविर में शुक्रवार सुबह आग लग गई जिसमें करीब 20 से 22 टेंट जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने ' बताया, "सेक्टर–18 स्थित इस्कॉन के शिविर में सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। तत्काल कदम उठाते हुए

दमकल केंद्र से 12 गाड़ियां रवाना की गईं और करीब आधा घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।" उन्होंने बताया कि 20 से 22 टेंट जलकर खाक हो गए हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि हवा तेज होने के कारण पास के अतुलेश्वर धाम और देवी संपत्ति के कुछ शिविर भी आग की चपेट में आ गए।

हाई स्कूल, इण्टर मीडिएट छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूनीक ग्लोबल एकेडमी पायकपुर में जूनियर छात्राओं ने सीनियर वर्ग के हाई स्कूल और इण्टर मीडिएट के छात्र छात्राओं के विदाई समारोह में गुरूजनों ने छात्रों को सफलता का आशीर्वाद दिया। एकेडमी के एमडी संतोष श्रीवास्तव, डायरेक्टर आलोक श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य सुभाष चन्द्र ने छात्रों से कहा कि कड़ा परिश्रम ही सफलता का मूल मंत्र है।

दुबौलिया विकास क्षेत्र के रामजानकी मार्ग पर स्थित एकेडमी के छात्र छात्राओं ने सरस्वती वन्दना, गणेश वन्दना, स्वागत गीत, एकांकी, लोक नृत्य, नाटक सहित अनेक मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। एकेडमी के एमडी संतोष कुमार श्रीवास्तव ने छात्र छात्राओं से कहा कि वे पूरी तैयारी से परीक्षा देकर परिवार और विद्यालय का नाम रोशन करें।

डायरेक्टर आलोक श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य सुभाष चन्द्र ने बच्चों से परीक्षा में अच्छे अंक लाने व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा परीक्षा के लिये मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। छात्र छात्राओं को परीक्षा काल में किसी प्रकार का तनाव नही लेना चाहिये। सुनियोजित तैयारी से हमेशा अच्छे अंक आते हैं। उन्होने सभी छात्र छात्राओं के सफलता की कामना किया।

-कड़ा परिश्रम सफलता का मूल मंत्र- संतोष श्रीवास्तव

3 किलो का ट्यूमर निकालकर बचायी मरीज की जान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल की वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोमा शा गुप्ता द्वारा एक महिला के पेट से 3 किलो का ट्यूमर निकालकर उसकी जान बचाने में सफलता पाई है,। सिद्धार्थनगर जनपद के थाना इटवा के बेनी गांव की रहने वाली 50 वर्षीया तकरिमुनिशा के पेट में गांठ की समस्या थी परिजनों द्वारा आर्थिक समस्या के कारण महिला का इलाज नहीं हो पा रहा था परिजनों के पास आयुष्मान कार्ड होने पर वह श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल पर पहुंचे जहां पर वरिष्ठ महिला सर्जन डॉक्टर सोमा शा गुप्ता द्वारा मरीज का अल्ट्रासाउंड कराया गया जिसमें बड़ा ट्यूमर महिला के पेट में देखा गया श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल की सर्जरी टीम ने कुशलतापूर्वक ऑपरेशन कर महिला की जान बचाने में सफलता

पाई है, महिला अब पूरी तरह से स्वस्थ है।सर्जरी टीम में सुषमा सिंह, जितेंद्र चौधरी, सुनील वर्मा, प्रिया चौधरी ,दीपक आदि ने विशेष योगदान दिया।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक होने के नाते सारी चिकित्सीय सुविधा निःशुल्क दी गई। सफल ऑपरेशन होने पर परिजनों ने श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के प्रति आभार जताया।

राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर खड़े किये सवाल

नई दिल्ली (आभा)। शुक्रवार को राहुल गांधी ने शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) सांसद संजय राउत के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि बार–बार मांग के बावजूद निर्वाचन आयोग की ओर से महाराष्ट्र के मतदाताओं के डेटा उपलब्ध नहीं कराने से लगता है कि कुछ न कुछ गलत है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को पारदर्शिता लानी चाहिए, महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों से जुड़ी पूरे राज्य की मतदाता सूची उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष

ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या यहां की वयस्क आबादी से ज्यादा है।

राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हम उस पूरे पिपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ा था। हम भारत के लोगों के ध्यान में महाराष्ट्र चुनावों के संबंध में सामने आई कुछ महत्वपूर्ण जानकारी लाना चाहते हैं। हमारी टीम ने मतदाता सूची और मतदान पैटर्न का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और हम कुछ समय से इस पर काम कर रहे हैं। दुर्भाग्य से हमें कई अनियमितताएं मिलीं।' उन्होंने कहा कि देश के लिए, विशेषकर युवा लोगों के लिए जो लोकतंत्र के पक्षधर हैं और उसमें विश्वास करते हैं, इन निष्कर्षों से अवगत होना और समझना आवश्यक है।

तकनीकी शिक्षा से खुलेंगे ज्ञान, विज्ञान के नये द्वार -संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में बेसिक शिक्षकों का डिजिटल लिटरेसी, कोडिंग और कंप्यूटेशनल थिंकिंग और माध्यमिक शिक्षकों का नेतृत्व क्षमता संवर्धन के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का समापन शुक्रवार हुआ। जिसमें बेसिक के 200 शिक्षक और माध्यमिक के 36 प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक शामिल हुए। बेसिक शिक्षकों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी शिक्षा का है। परिषदीय स्कूल के छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिए सरकार तत्पर है। अभी तक छात्रों को कंप्यूटर के विषय का ज्ञान न होने से वह पिछड़ रहे थे। माध्यमिक के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि प्रधानाचार्यों में विद्यालय प्रबंधन सहित टीम लीडर के बेहतर गुण विकसित हों। जिससे विद्यालय के संचालन और विद्यार्थियों

-शिक्षकों का पांच दिवसीय द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

को पाठ्यक्रम के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इसके लिए नेतृत्व एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण दिया गया है। बेसिक के प्रशिक्षण प्रभारी कुलदीप चौधरी और माध्यमिक के प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में संदर्भदाता रमेश विश्वकर्मा, विमल आनंद, शालिनी द्विवेदी, राजेश सक्सेना, आशीष कुमार श्रीवास्तव तथा राकेश पाण्डेय द्वारा शिक्षकों को नेटवर्किंग, जीमेल, इंटरनेट, एमएस पेंट व एमएस वर्ड, नेतृत्व क्षमता, नवीन ज्ञान, कौशल के साथ मनोवृत्तियों को सुदृढ़ करने, विद्यालयी स्टाफ के लिए अनुकूल माहौल का निर्माण करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी गई।

इस अवसर पर अलीउद्दीन, डॉ गोविन्द, वंदना चौधरी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, शशि दर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, अमन सेन आदि उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह ने 1500 श्रद्धालुओं को महाकुंभ के लिए किया रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को धर्म और आस्था से जोड़ने के संकल्प के तहत निःशुल्क रामलला दर्शन और महाकुंभ स्नान तीर्थ यात्रा लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार देर शाम हरैया विधानसभा के लगभग 1500 तीर्थयात्री 25 बसों के माध्यम से खतमसराय एवं विक्रमजोत से रवाना हुए। विधायक ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा इस भव्य यात्रा का उद्देश्य जन–जन को धर्म, संस्कृति और आस्था से जोड़ते हुए प्रभु श्री रामलला के दर्शन एवं महाकुंभ स्नान का पुण्य लाभ दिलाना है। यात्रा में शामिल श्रद्धालु पवित्र संगम स्नान करेंगे और श्री राम लला दर्शन अयोध्या धाम दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ

प्राप्त करेंगे। कहा कि हमारी संस्कृति और आस्था की यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक अभियान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कारों को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है।

इस अवसर पर कृष्ण कुमार सिंह, सरोज मिश्र बाबा, कौशलेंद्र सिंह, मनीष सिंह लक्की, अखिलेश सिंह, मोहन मिश्रा, दुर्गेश सिंह, विनोद गुप्ता, राकेश सिंह बबलू , मंजीत वर्मा, मुन्ना सिंह,जग्गू सिंह, बड़े सिंह, बिककू सिंह, दीपक,रवि, अमरनाथ सिंह, भगवान बाबा, सुनील यादव, प्रदीप, अनिल कुमार गुप्ता, अर्जुन यादव, वीरू सिंह, राम शिरोमणि सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ भड़की सरदार सेना, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश प्रजापति के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा निवासिनी प्रीती चौधरी पत्नी विवेक और उनके परिजनों का सुनील पाण्डेय पुत्र कल्पनाथ पाण्डेय के इशारे पर कम्पनी बाग चौकी इन्चार्ज अजय सिंह और अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा मारने पीटने के घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी सुनील, आर्यन, आयुष और 5 से 6 अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर दोषी दारोगा और पुलिस कर्मियों के विरुद्ध भी कार्रवाई किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने बताया कि कम्पनी बाग चौकी इन्चार्ज अजय सिंह ने छोटी सी बात को लेकर बतंगड बना दिया और मर्यादा की सारी सीमा तोड दिया। बताया कि गत 15 जनवरी 2025 को विवेक की पत्नी प्रीती चौधरी आवश्यक कार्य से बाहर जा रही थी, उनके घर के आगे गेट के साथ सुनील पाण्डेय पुत्र कल्पनाथ पाण्डेय

–पीड़ितों को न्याय, दोषी दारोगा के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

ने अपनी गाड़ी खड़ी कर दिया। जब प्रीती ने गाड़ी गेट के सामने से हटाने को कहा तो सुनील पाण्डेय ने अभद्रता किया, कहा कि जहां मन करेगा गाडी वहीं खड़ा करुंगा। प्रीती ने इसकी सूचना अपने पति विवेक और परिवार वालों को दिया। उसके जेठ जर्नादन ने घटना के बारे में सुनील से बात किया किन्तु वे गाडी हटाने को तैयार नहीं हुये। इस पर 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मना करने पर भी सुनील ने गाड़ी नहीं हटायी और धमकी देते हुये कहा कि उसकी गाडी यही रहेगी जो करना हो कर लो। 15 जनवरी की शाम को सुनील, आर्यन, आयुष व 5 से 6 अज्ञात लोग घर पर चढ आये और भद्दी–भद्दी गालियां देकर प्रीती, उसके पति विवेक, जेठ जर्नादन, अभिमन्यु को बुरी तरह से मारा पीटा। धमकी दिया कि अब गाडी खड़ा करने से रोका तो जान से मरवा दूंगा और घर, मकान सब गिरवा दूंगा। सुनील के राजनीतिक प्रभाव के कारण पुलिस ने पीड़ित परिवार का कुछ नहीं सुना उल्टे प्रीती के पति विवेक व अन्य परिवार वालों के विरुद्ध मनगढन्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। यही नहीं कम्पनी बाग चौकी इन्चार्ज अजय सिंह ने प्रीती के परिजनों और मासूम बेटे को भी मारा पीटा। बृजेश पटेल ने मांग किया कि मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाय अन्यथा सरदार सेना संघर्ष को बाध्य होगी। शुक्रवार को पुलिसिया उत्पीड़न के खिलाफ डीएम कार्यालय के सामने सरदार सेना के पदाधिकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। जिला उपाध्यक्ष मनोज निषाद, विधानसभाध्यक्ष बस्ती सदर आकाश पटेल ने चेतावनी के लहजे में कहा कि दोषी कम्पनीबाग चौकी इन्चार्ज और दोषी पुलिय कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय न मिला तो सरदार सेना निर्णायक आन्दोलन को बाध्य होगी। मांग किया कि कम्पनी बाग चौकी इन्चार्ज अजय सिंह को तत्काल प्रभाव से हटाया जाय। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजे जाने के दौरान मुख्य रूप से उमेश, प्रीति चौधरी, सर्वेश, अनिरुद्ध, अभिषेक, संदीप निषाद, प्रदीप यादव, लालचंद, शहजाद आलम, बब्बू यादव, राजेन्द्र निषाद , दुर्गेश, अमरेश चौधरी, आलोक यादव, शिवम चौधरी, प्रशान्त चौधरी, अभिषेक मौर्य, मनोज, अभिमन्यु, इरफान अंसारी, हरीश यादव, आबिद अंसारी, पी.के. चौधरी, अभय पटेल, अंकित चौधरी, अभिषेक चौधरी, वीरेन्द्र के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

लव जेहाद में मौत का मामला: बजरंग दल ने किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, सदस्यों ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि रुधौली थाना क्षेत्र के सुगिया गांव में लव जेहाद की शिकार दलित गर्भवती महिला की हत्या और शव को दफना देने के मामले में दोषियों को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाय। चेतावनी दिया कि यदि मामले में दोषी गिरफ्तार न किये गये तो बजरंग दल आन्दोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन देने के बाद बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी ने बताया कि मामले में सूचना मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तो पता चला कि कुछ दिन पहले एक मुस्लिम युवक मोहम्मद इस्लाम ने दलित युवती लक्ष्मी देवी को प्रेम जाल में फंसा लिया। मुकदमा दर्ज होने पर वह जेल भी गया और बाद में उसी युवती से फिर शादी किया। शादी के बाद एक बेटा और एक बेटी भी हुई।

संदिग्ध परिस्थितियों में लक्ष्मी देवी की मौत हो गई। उसके शव को दफना दिया गया। उच्चाधिकारियों से शिकायत के बाद शव को कब्र से निकाला गया और पोस्टमार्टम कराया जायेगा। मांग किया कि लक्ष्मी देवी की हत्या मामले में दोषी को गिरफ्तार किया जाय।

इसी कड़ी में बजरंग दल ने डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग किया कि बस्ती सदर विकास खण्ड के परासी गांवसमा में मुस्लिमों द्वारा गड्ढही पर कब्जा कर मकान बनवा लेने और घरों के नाली का पानी हिन्दुओं के आस्था के तालाब में गिराये जाने हेतु नाली निर्माण कराये जाने के मामलों की जांच कराकर गड्ढही की जमीन को खाली कराकर नाली निर्माण रोका जाय। गौरक्षा प्रमुख स्नेह पाण्डेय ने चेतावनी दिया कि यदि नाली का निर्माण एक सप्ताह के भीतर न रोका गया तो आन्दोलन किया जायेगा। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राहुल पाण्डेय, अनिल कुमार, अशोक यादव, माइकल , अनिल प्रजापति, विजय चौरसिया, अजय मिश्रा, राजन मिश्रा, डॉ सुधांशु, राजकुमार कनौजिया, कृष्णा चौधरी, राजकुमार गौतम, सोनू चौहान, दुर्गा चौरसिया, संदीप प्रजापति आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 फरवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

गुणात्मक शिक्षा

लंबे समय से देश में इस बात को लेकर गंभीर विमर्श होता रहा है कि स्कूल–कालेजों में शिक्षा का स्वरूप जीवन के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए। अकसर देखने में आता है कि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में जिन गूढ़ सिद्धांतों को रटते रहते हैं उसका हमारे जीवन व रोजगार से कोई व्यावहारिक सरोकार नहीं दिखता। यही वजह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा पद्धति रटने वाली होने के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर आधरित हो। जो वास्तविक ज्ञान सीखने पर बल दे। जिससे पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र स्कूल–कालेजों में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में उपयोग कर सकें। जिससे छात्र अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना करने के लिये तैयार हो सकें। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो द्वारा तैयार किए गए और हाल ही में चर्चा में आए एक अध्ययन का निष्कर्ष बताता है कि छात्रों को दैनिक जीवन में काम आने वाले व्यावहारिक गणित के ज्ञान में पारंगत होना चाहिए। जैसा गुण बाजार में काम करने वाले भारतीय बच्चों में देखने में आता है। अकसर महसूस किया जाता है कि कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला गणित जीवन व्यवहार में काम नहीं आता। दूसरे शब्दों में कहें तो सीखने की सहज और औपचारिक शैलियों के बीच एक बड़ा अंतर पाया जाता है। जो इस बात पर बल देता है कि पाठ्यक्रम में सुधार करके इस खाई को पाटने का अविलंब प्रयास किया जाए। यह निर्विवाद सत्य है कि दुनिया भर में कम आय वर्ग वाली पृष्ठभूमि वाले स्कूली बच्चों के लिये गणित जैसे विषय में महारत हासिल करना एक चुनौती होती है। बल्कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनमें गणित को लेकर एक फोबिया जैसा होता है। कमोबेश भारतीय बच्चे भी इसका अपवाद नहीं हैं। यही क्रम पीढ़ी–दर–पीढ़ी चलता रहता है। लेकिन इस विसंगति की तह तक जाने के लिये कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी।

वहीं दूसरी ओर देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो गरीबी और विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण स्कूलों का मुंह नहीं देख पाए। जिसके चलते पारिवारिक मजबूरियों के कारण उन्हें छोटे–मोटे काम करने के लिये बाध्य होना पड़ता है। मसलन फेरी लगाना या सड़कों के किनारे छोटा–मोटा सामान बेचने का कार्य उन्हें करना पड़ता है। अध्ययन बताता है कि वे बिना किसी सहायता के पलभर में जटिल गणितीय गणनाएं कर सकते हैं। दरअसल, स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले अमूर्त गणित को समझना छात्रों के लिये खासा कठिन होता है। वहीं दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि इन छात्रों के स्कूल जाने वाले, जो साथी गणित में उत्कृष्ट होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में बुनियादी गणनाओं को करने में अकसर विफल ही साबित होते हैं। वहीं दूसरी ओर देश में शिक्षा की वार्षिक स्थिति वाली रिपोर्ट यानी एएसईआर–2024 से पता चलता है कि सरकारी और निजी स्कूलों में छह से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों में अंकगणित के स्तर में सुधार हुआ है। निस्संदेह, इसे एक अच्छा संकेत माना जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में जरूरत इस बात की है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़ने और जीवन की गणनाओं में उनके व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ऐसा कोई भी प्रयास नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में मददगार हो सकता है, जो व्यावहारिक शिक्षा दिए जाने की जरूरत पर बल देती है। वास्तव में ऐसा कोई भी प्रयास छात्रों को किताबी कीड़ा या परीक्षा योद्धा बनाने के बजाय स्ट्रीट–स्मार्ट बनाकर उनकी रोजगार पाने की क्षमता और योग्यता में सुधार करने में मददगार साबित हो सकता है। जैसा कि शिद्दत से महसूस किया जा रहा है कि भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास को तेज गति देने के लिये एक कुशल कार्यबल की नितांत आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा पद्धति समय के साथ कदमताल करेगी। देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिये रोजगारपरक शिक्षा अनिवार्य शर्त है। जिसका आधार व्यावसायिक व गुणात्मक शिक्षा ही हो सकती है।

परीक्षाओं में अंकों की अंधी दौड़ क्यों?

—रजनीश कपूर—

देश में वार्षिक परीक्षाएं छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं। लेकिन हाल के वर्षों के दौरान, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढने की बजाय कोचिंग सैंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहां कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियां जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते।

इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढने की तुलना में कोचिंग सैंटरों में

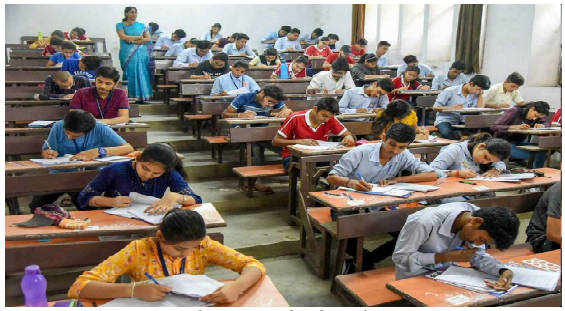

परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं, जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, गांव के भोले–भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सैंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे। ऐसे में यदि शिक्षक भी उदासीन रवैया अपनाना शुरू कर दें तो वह आग में घी का काम करता है। आज से कुछ वर्ष पूर्व 'थ्री इडियट्स' फिल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए, जिससे खुशी भी होती है और सही मायने में सफलता भी मिलती है। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता।

दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गई है कि एक–एक शहर में दर्जनों प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं, जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं, मोटी रकम होता है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी ये छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं, जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दाव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च करके भी जो डिग्री मिलती है उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती। तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगाकर भी उसने दी गई फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पाई। तब उनमें हताशा आती है।

आज हालत यह है कि एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त लड़के साडियों की दुकानों पर सेल्समैन का काम कर रहे हैं। समय और पैसे का इससे बड़ा दुरुपयोग और क्या हो सकता है।ऊपर से कोचिंग सैंटरों की बढ़ती फीस ग्रामीण और आध्थक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एक अतिरिक्त बोझ बन रही है। सोचने वाली बात यह है कि जब छात्र स्कूल की पढ़ाई को महत्व नहीं देते, तो विद्यालयों की गुणवत्ता और भी गिरती जाती है। इससे शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है। वहीं परीक्षा में अच्छे अंक पाने के दबाव में कई छात्र नकल और अन्य अनुचित तरीकों का सहारा भी लेने लगते हैं।

ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा और गुणवत्ता में सुधार की बहुत जरूरत है। सभी ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की जवाबदेही तय और विद्यालयों में शिक्षण सामग्री व संसाधनों को बेहतर किया जाना चाहिए। यदि सरकार विद्यालयों में परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित करेगी तो विद्यार्थियों को कोचिंग सैंटर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। परीक्षाओं को केवल अंकों के आधार पर तय करने की बजाय, प्रायोगिक ज्ञान, परियोजना कार्य और गतिविधि–आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना चाहिए।

शिक्षकों को इस बात पर विशेष जोर देना चाहिए कि उन्हें विद्याध्थयों को अंकों की होड़ में धकेलने की बजाय, उन्हें वास्तविक ज्ञान अर्जित करने और रचनात्मकता विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और समावेशी नहीं बनाया गया, तो यह प्रवृत्ति शिक्षा के व्यवसायीकरण को और अधिक बढ़ावा देगी। आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ–साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की संपूर्ण योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा

प्लास्टिक कचरों से मुक्ति की पहल

—डा. रेनू यादव—

प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक चावल के अवयवों–आधारित बायोप्लास्टिक का विकल्प पेश कर रहे हैं। यह टिकाऊ और पर्यावरण–मित्र समाधान न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण करता है, बल्कि पारंपरिक प्लास्टिक का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

प्लास्टिक कचरा आज पर्यावरण की एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो न केवल धरती, महासागरों और नदियों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि हमारे भोजन और पानी में भी मिल रहा है। पारंपरिक प्लास्टिक का निर्माण पेट्रोलियम उत्पादों से होता है, जो प्रदूषण बढ़ाते हैं और सैकड़ों सालों तक नष्ट नहीं होते। इस समस्या का समाधान तलाशने के लिए वैज्ञानिक चावल–आधारित बायोप्लास्टिक की ओर देख रहे हैं, जो प्लास्टिक का टिकाऊ और पर्यावरण–मित्र विकल्प हो सकता है।

चावल दुनियाभर में सबसे अधिक उगाया और खाया जाने वाला अनाज है। इसके प्रसंस्करण के दौरान बड़ी मात्रा में कृषि अवशेष, जैसे धान की भूसी और पराली, निकलते हैं। आमतौर पर इनका कोई विशेष उपयोग नहीं होता और कई बार किसान इन्हें जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। दिसम्बर–जनवरी के महीनों में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। वैज्ञानिकों ने इस कृषि कचरे का उपयोग बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक बनाने में करना सीख लिया है, जिससे न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण होता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों की आय भी बढ़ सकती है और उद्योगों के लिए एक नया लाभकारी अवसर उत्पन्न हो सकता है।

पारंपरिक प्लास्टिक कचरे की समस्या यह है कि यह पर्यावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता और धीरे–धीरे छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। यही माइक्रोप्लास्टिक हमारे पानी, भोजन और यहां तक कि हवा में भी मिल चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। शोध बताते हैं कि हर साल लाखों टन प्लास्टिक महासागरों में पहुंच जाता है, जिससे समुद्री जीव–जंतुओं को भारी नुकसान होता है। इसके अलावा, प्लास्टिक बनाने की प्रक्रिया में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो जाती है।

पारंपरिक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग भी पूरी तरह से प्रभावी नहीं है, क्योंकि अधिकांश प्लास्टिक या तो लैंडफिल में चला जाता है या जलाए जाने पर हानिकारक गैसें उत्पन्न करता है।

बायोप्लास्टिक प्राकृतिक रूप से विघटित हो सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इन्हें जैविक स्रोतों से बनाया जाता है, जैसे मक्का, गन्ना और अब चावल। चावल से बने बायोप्लास्टिक में मुख्य रूप से स्टार्च और सेल्यूलोज का इस्तेमाल होता है। चावल के स्टार्च को कुछ प्राकृतिक पदार्थों, जैसे ग्लिसरॉल, के साथ मिलाकर एक लचीला और टिकाऊ प्लास्टिक तैयार किया जाता है। इसके अलावा, चावल की भूसी से सेल्यूलोज निकाला जाता है, जिसे आगे की प्रक्रिया में तैयार करके मजबूत बायोप्लास्टिक बनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने चावल के अवशेषों से पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्केनोएट्स (पीएचए) नामक एक जैविक पॉलिमर बनाने की तकनीक विकसित की है, जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल है। यह पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत होता है लेकिन कुछ महीनों में ही प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाता है।

चावल–आधारित बायोप्लास्टिक का उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता है, जिससे यह पारंपरिक प्लास्टिक का व्यावहारिक विकल्प बन सकता है। खाद्य पैकेजिंग में, बायोप्लास्टिक से बने कंटेनर और रैपिंग मैटेरियल खाद्य उत्पादों की ताजगी बनाए रखते हैं और प्लास्टिक कचरे को कम करते हैं। कृषि क्षेत्र में, बायोडिग्रेडेबल मल्चिंग फिल्म मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवार नियंत्रण में सहायक होती है। चिकित्सा उपकरणों में, सर्जिकल सुई, खुद से पिघलने वाले टांके और दवा वितरण प्रणालियों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। उपभोक्ता उत्पादों में, बायोडिग्रेडेबल कटलरी, डिस्पोजेबल कप और खिलौनों के निर्माण में भी बायोप्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है। इसी तरह, टेक्सटाइल और फैशन उद्योग में, बायोपॉलिमर से बने जैविक कपड़े पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। श्रीडी प्रिंटिंग में, बायोप्लास्टिक एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एक टिकाऊ विकल्प बन रहा है।

हालांकि, चावल–आधारित बायोप्लास्टिक के कई फायदे हैं, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर अपनाने में कुछ बाधाएं भी हैं। फिलहाल इसकी उत्पादन लागत पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में महंगी है। कुछ बायोप्लास्टिक पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत नहीं होते। इन्हें पूरी तरह विघटित होने के लिए सही परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। यदि बायोप्लास्टिक उत्पादन के लिए खाद्यान्न आधारित कच्चे माल का उपयोग बढ़ता है, तो इससे खाद्य सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। इसके बावजूद, बायोप्लास्टिक की प्रगति में अपार संभावनाएं हैं, जिसके चलते इसका वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपीय देशों ने इस तकनीक को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में भी सिंगल–यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे बायोप्लास्टिक के लिए एक बड़ा अवसर पैदा हो सकता है। अगर चावल–आधारित बायोप्लास्टिक के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाए, तो यह प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का एक महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।

यदि, चावल–आधारित बायोप्लास्टिक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है, तो यह पारंपरिक प्लास्टिक का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। यदि इस तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए और इसके विकास में निवेश बढ़ाया जाए, तो निश्चित ही यह हरित और स्वच्छ भविष्य के हमारे सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।—लेखिका पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सीनियर डेमोंस्ट्रेटर हैं।

तुगलकी पंचायती फैसले और वोट बैंक

— योगेन्द्र योगी—

खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाये और पुरुष उनकी और आकर्षित ना हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था।

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन–प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक–बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक–एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज दिया।

साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100 –1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50–60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किन्तु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत की मनमाने निर्णय पर सत्तारुढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं। खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था।

जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायत बेतुका बयान जारी करते रही हैं। खाप पंचायत को सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और ना ही आलोचनाओं का, तभी तो उसके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था।

खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाये और पुरुष उनकी और आकर्षित ना हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था।

राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताडिष्त किया और 1,51,000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया। झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुई। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामले में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाए इनमें वोट बैंक के हित ढूंढती नजर आती हैं। यह निश्चित है जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे।

युवक की हत्या के बाद सरयू नहर पटरी पर शव रखकर जलाया

संवाददाता—गोण्डा। एक युवक की हत्या करके शव को फेंक दिया गया। शव अधजला था। ग्रामीणों की जब नजर पड़ी तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तुरंत अपने कब्जे में लिया और फिर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई करेगी। शव किसका था, पुलिस इसकी पड़ताल करने में जुटी है।मामला बनबाघा पुरवा क्षेत्र का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार भोर में एक युवक का अधजला शव सरयू नहर पटरी पर पड़ा था। कुछ ग्रामीण वहां से निकल रहे तो उनकी नजर अधजले शव पर पड़ गई। आसपास के लोगों तक शव मिलने की खबर पहुंची तो मौके पर लोग जुट गए। इसी बीच सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ करनैलगंज सौरभ वर्मा, प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया अरविंद कुमार सिंह, इंटियाथोक के एसओ शेष मणि पांडेय व फॉरेंसिक टीम जांच जांच व पड़ताल शुरू की। चौकी प्रभारी आर्यनगर अविनाश कुमार शुक्ला ने बताया कि कौड़िया थाना क्षेत्र में खरगूपुर रोड से इंटियाथोक को जाने वाली सरयू नहर की पटरी पर वन बाबा पुरवा के पास एक युवक का अधजला शव देखा गया। उपस्थित लोगों व पूर्व प्रधान राम करन चतुर्वेदी की सूचना पर मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव के पहचान के लिए आसपास के ग्राम प्रधानो व स्थानीय लोगों से संपर्क किया गया परंतु शव का पहचान नहीं हो सकी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधान राम करन चतुर्वेदी के सूचना पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थियों में कमरे में मिला नव विवाहिता का शव

संवाददाता—देवरिया। संदिग्ध परिस्थितियों में गुरुवार की देर रात को एक नव विवाहिता का शव उसके कमरे में मिला। स्थानीय लोगों की माने तो उसने दो पूर्व फांसी लगाकर जान दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटना के बाद से परिवार के लोग फरार चल रहे हैं, मृतका के पिता ने हत्या का आरोप लगाया है।

खुखुन्दू थाना क्षेत्र के बंजरिया निवासी शिवानी (21) ने सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली लाला निवासी बिट्टू प्रसाद के साथ एक वर्ष पूर्व लव मैरेज शादी की थी। स्थानीय लोगों की मानें तो दोनों के शादी से परिवार के लोग संतुष्ट नही थे और आए दिन दोनों के बीच किसी ने किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ करता था। दो दिन पूर्व शिवानी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी,जिसके बाद परिजन उसके शव को नीचे उतार कर बेड पर लिटा दिए थे। गुरुवार की रात को गांव के चौकीदार ने पुलिस को शिवानी के मौत की सूचना दी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उधर नव विवाहिता के मौत के बाद से उसके पति समेत ससुराल के लोग फरार हो गए हैं, पुलिस जब सूचना मिलने के बाद घर पहुंची तो सभी कमरों के दरवाजे खुले हुए थे और घर पर कोई नही था। मृतका का पिता हत्या का आरोप लगाया है।

इस संबंध में कोतवाल टीजे सिंह ने बताया कि 2023 में मृतका के पति ने लव मैरिज उसे भगा कर किया था। महिला की शव दो दिन पूर्व ही मकान के अंदर होने की बात की चर्चा है। उसके गले पर रस्सी के निशान मिला है, लेकिन शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही तथ्य की जानकारी हो सकेगी।

अधेड़ की हत्या के बाद लोग आक्रोशित, किया सड़क जाम

संवाददाता—देवरिया। देवरिया जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के बरवा उपाध्याय में मामूली विवाद में गुरुवार की रात अधेड़ की हुई हत्या से आक्रोशित लोगों ने शुक्रवार की सुबह देवरिया—सलेमपुर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। साथ ही पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मौके पर पहुंचे भाजपा विधायक दीपक मिश्र शाका, एएसपी सुनील कुमार सिंह ने लोगों को समझा—बुझाकर शांत कराया। साथ ही सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। गांव का रहने वाला एक युवक रात को तेज रफ्तार बाइक से जा रहा था। गांव के तारकेश्वर गुप्ता ने उसे धीमी गति से बाइक चलाने को कहा। इसी को लेकर उपजे विवाद में तारकेश्वर गुप्ता, राजू, दिनेश गुप्ता समेत कई लोगों की पिटाई कर दी गई। जिसमें से दिनेश गुप्ता की मौत हो गई। जबकि

अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। सुबह लोग आक्रोशित हो गए और मुख्य मार्ग जाम कर दिया। उनका कहना था कि पुलिस बहुत विलंब से पहुंची। जबकि दिनेश की मौत के बाद भी आरोपियों ने तांडव किया और कई वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। पुलिस कई बार सख्ती दिखाकर लोगों को हटाने का प्रयास की, लेकिन लोग सड़क से नहीं हटे। विधायक व एएसपी के समझाने के बाद लोग सड़क से हटे और डेढ़ घंटे बाद आवागमन बहाल हो सका। लोगों के आक्रोशित होने की सूचना के बाद पुलिस छावनी में चौराहे को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला के साथ ही खुखुंदू थानाध्यक्ष के अलावा सलेमपुर कोतवाल टीजे सिंह, लार उमेश वाजयेपी, बरियारपुर थानाध्यक्ष कंचन राय, मईल थानाध्यक्ष अमित राय समेत बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद रही।

संघ कार्यालय केशव धाम की रखी गई आधारशिला

संवाददाता—देवरिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यालय की आधारशिला शुक्रवार को रखी गई। इसमें जिले भर से आए प्रचारक और स्वयंसेवक शामिल हुए। भूमि पूजन का आयोजन डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति गोरखपुर ने किया। मुख्य यजमान प्रांत कार्यवाह वीरेंद्र ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से भूमि पूजन किया। प्रांत प्रचारक रमेश, विभाग संचालक, जिला संघ चालक ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इसके उपरान्त प्रान्त प्रचारक ने कहाकि 1942 में ली गयी भूमि पर संघ का कार्यालय शताब्दी वर्ष में निर्मित होने जा रहा है। संघ के वरिष्ठतम कार्यकर्ताओं के सपनों को साकार करने का यह प्रतिफल है। यह वर्तमाना कार्यकर्ताओं के कर्मो का प्रतिफल है।

जिला संघ चालक मकसूदन ने कहाकि संघ प्रतिकूल परिस्थिति को अनुकूल परिस्थिति में बदलने वाला संगठन है। इस कार्यालय की स्थापना इसी का परिणाम है। प्रान्त कार्यवाह विनय ने डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति गोरखपुर के तहत निर्माण समिति व आर्थिक समिति के सदस्यों की घोषणा किया। इस अवसर पर विभाग संघ चालक गोरखपुर विभाग शेषनाथ सिंह, सह विभाग संघ चालक विभाग देवरिया चंद्रशेखर, सह प्रान्त प्रचारक प्रमुख गोरक्ष प्रान्त सुनील, सह प्रान्त प्रचारक सुरजीत, संघ चालक देवरिया विभाग राजधारी, जिला संघ चालक मकसूदन, विभाग प्रचारक ऋषि, विद्या भारती गोरक्ष प्रान्त के मंत्री रामनाथ, सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी आदि ने यज्ञ कुंड में आहुति दी।

देवरिया के लाल रचेंगे इतिहास, राष्ट्रपति भवन में लेंगे सात फेरे

संवाददाता—देवरिया। देश के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक, राष्ट्रपति भवन में पहली बार किसी की शादी होने जा रही है। 12 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में पीएसओ पूनम गुप्ता और असिस्टेंट कमांडेंट अवनीश कुमार शादी के बंधन में बंध जाएंगे। आपको बता दें कि राष्ट्रपति भवन में होने वाली पहली शादी का उत्तर प्रदेश से गहरा कनेक्शन है, क्योंकि असिस्टेंट कमांडेंट अवनीश कुमार यूपी के देवरिया जिले से ताल्लुक रखते हैं। जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के बड़का गांव के रहने वाले अवनीश कुमार सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर तैनात हैं। अवनीश के पिता अनिल तिवारी दार्जिलिंग में एक चाय कारखाना में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। इस ऐतिहासिक शादी में सिर्फ करीबी रिश्तेदारों को आमंत्रित किया गया है। अवनीश और पूनम के माता—पिता और परिवार के अन्य सदस्य दिल्ली पहुंच चुके हैं। सबसे खास बात यह है कि इस शादी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित बड़ी राजनीतिक हस्तियां

आशीर्वाद देने आएंगी।

पूनम गुप्ता मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की रहने वाली हैं। उनके पिता रघुवीर नवोदय विद्यालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। पूनम गुप्ता ने गणित में स्नातक और अंग्रेजी साहित्य में पोस्ट ग्रेजुएट किया है। उन्होंने ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय से बीएड की पढ़ाई पूरी की और जवाहर नवोदय विद्यालय, श्योपुर की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा—2018 में 81 वीं रैंक हासिल की और सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट बनीं। हाल ही में, उन्होंने गणतंत्र दिवस 2024 की परेड में सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी का नेतृत्व किया था।

अवनीश और पूनम की शादी में कुल 94 लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें से 42 बारातियों को राष्ट्रपति भवन के मयूर अपार्टमेंट में ठहराया जाएगा। वहीं, नौ लोगों को कोटा हाउस में, 19 लोगों को न्यू डेल्ही 6 बीएचके में ठहराया जाएगा। इसके अलावा, सात लोगों को एक बीएचके आउटसाइड में ठहरने की व्यवस्था है।

मंसूरी समाज की बैठक में उठी समस्याएं

संवाददाता—देवरिया। ऑल इंडिया मंसूरी समाज की बैठक शुक्रवार को विकास खण्ड के चकरा गोसाईं में जिलाध्यक्ष रियाज अहमद मंसूरी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट में मुसलमानों व पासमन्दा मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ अन्याय हुआ है।

भारत का शिक्षा पर वर्तमान व्यय सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 2.9: है, जो वैश्विक मानकों से काफी कम है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शिक्षा बजट को जीडीपी के 6: तक बढ़ाने की अपील की। बैठक को असरफ अली मंसूरी, शमीम मंसूरी, शहाबुद्दीन मंसूरी, सरफराज मंसूरी, जाकिर मंसूरी, लालू मंसूरी, जफर अली मंसूरी, डॉ शहाबुद्दीन मंसूरी आदि ने सम्बोधित किया।

बघौचघाट क्षेत्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

संवाददाता—देवरिया। जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र के कोइलसवां खुर्द गांव के करीब गुरुवार की देर रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। दोनों मृतक पेशे से मजदूर थे। गुरुवार को बघौचघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पकहां के नोनियापट्टी टोला के रहने वाले महंत साहनी (30) पुत्र रामनाथ और गिरिजा साहनी (38) पुत्र वासुदेव बाइक से मलवाबर गांव गए थे। रात करीब 8रू00 बजे दोनों लोग घर वापस जा रहे थे। तभी कोइलसवां खुर्द गांव के करीब नहर की पटरी पर सामने से आ रही किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। इससे दोनों सड़क पर गिर गए। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं।

घटना की जानकारी होने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार अस्थाना मयफोर्स मौके पर पहुंचे घायलों को महर्षि देवरहवां बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने मृतक को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने गिरिजा की गंभीर हालत देख मेडिकल कॉलेज गोरखपुर को रेफर कर दिया। शुक्रवार की भोर में इलाज के दौरान गिरिजा की भी मौत हो गई।

बघौचघाट के थाना प्रभारी प्रदीप कुमार अस्थाना ने कहा,सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश को 300 बच्चों ने किया आवेदन

संवाददाता—महराजगंज। श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को अटल आवासीय विद्यालय में निशुल्क पढ़ने के लिए आवेदन का अंतिम 20 फरवरी तक है। गोरखपुर मंडल में 170 सीटों के लिए महराजगंज से 300 से अधिक आवेदन हो चुके हैं। अभी 20 फरवरी तक आवेदन लिए जाएंगे। ऐसे में जो बच्चे चूक गए हैं वह जल्द आवेदन कर सकते हैं। चयन के बाद चयनित बच्चों को अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा गोरखपुर में निशुल्क रहने और पढ़ने व भोजन की सुविधा मिलेगी। श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को निशुल्क पढ़ाई लिखाई के लिए सरकार ने मंडल स्तर पर अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया है। गोरखपुर मंडल के चार जिलों के बच्चों के लिए गोरखपुर के सहजनवा में अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया गया है। पिछले वर्ष से यहां पठन पाठन शुरू है। इस शैक्षणिक सत्र के लिए भी आवेदन लिए जा रहे हैं। पहले 25 जनवरी तक आवेदन करने की अंतिम तिथि थी लेकिन अब इसकी तिथि बढ़ाकर 20 फरवरी कर दिया गया है। प्रवेश के लिए आफ लाइन आवेदन हो रहा है। आवेदन पत्र सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक श्रम विभाग कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय,बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय या प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा व खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से निशुल्क प्राप्त कर उसे उसके भरकर 20 फरवरी तक श्रम विभाग कार्यालय में जमा किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2025—26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कक्षा छह में कुल 140 सीटों के लिए प्रवेश होगा। जिसमें 70 बालक व 70 बालिकाओं का प्रवेश लिया जाएगा। कक्षा नौ में भी 70 सीटों के लिए प्रवेश होगा। जिसमें 70 बालक व 70 बालिकाओं का प्रवेश होगा। आवेदन के बाद अभ्यर्थियों की परीक्षा ली जाएगी। मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। परीक्षा नौ मार्च को होगी। परीक्षा पूर्वाह्न 11रू00बजे से अपराह्न 1रू00बजे से होगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

महेन्द्र कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक लोग 20 फरवरी तक आवेदन कराकर अपने पाल्यों का प्रवेश करा सकते हैं।

सामूहिक विवाह में एक—दूजे के हुए 226 जोड़े

संवाददाता—महराजगंज। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को नगर के एक लॉन में सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न धर्म के 226 जोड़ों का विवाह उनकी रीति—रिवाज से कराया गया। विवाह बाद दुल्हन को दस हजार रुपये की सामग्री भी उपहार स्वरूप दी गई, जबकि विवाह का प्रमाण पत्र दिया गया। विवाह समारोह के मुख्य अतिथि विधायक पनियरा ज्ञानेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया रहे। पीडी रामदरस चौधरी, डीसी मनरेगा करुणाकर अदीब, जिला समाज कल्याण अधिकारी विपिन यादव, बीडीओ की मौजूदगी में विवाह की रस्म पूरी की गई। एक ही परिसर में हिन्दू, इस्लाम व बौद्ध धर्म के जोड़ों का विवाह अलग—अलग उनकी रीति रिवाज से कराया गया। पूरे परिसर को गुब्बारों व फूलों से सजाया गया था। विवाह समारोह में कुल 226 जोड़ों का विवाह हुआ। इनमें अल्पसंख्यक के 15, अन्य पिछड़ा वर्ग के 122, अनुसूचित जाति के 81 व सामान्य वर्ग के आठ जोड़ों का विवाह कराया गया। इस दौरान नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह का आयोजन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ड्रीम प्रोजेक्ट योजना है। पहले किसी गरीब के घर बच्ची पैदा होती थी तो वहां के लोग चिंतित हो जाते थे। लेकिन सरकार ने माता पिता के दुख को समझा और विवाह के आयोजन का खर्च उठा रही है। विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि भाजपा की सरकार में गरीब बेटियों के विवाह की चिंता खत्म हो गई है। सरकार ने माता पिता के दुख का समझा और विवाह के आयोजन का खर्च उठा रहा है। पीडी रामदरस चौधरी ने कहा कि सरकार एक जोड़े के विवाह पर कुल 51 हजार रुपये खर्च करती है। इसमें विवाह के बाद 35 लाख लाख रुपये दुल्हन के खाते में भेजा जाता है। दस हजार रुपये का सामान उपहार स्वरूप दिया जाता है। छह हजार रुपये बारातियों व घरातियों के भोजन, नाश्ता व आयोजन पर खर्च किया जाता है।

इस सामूहिक विवाह में सदर विधानसभा के जोड़े सबसे अधिक थे। विवाह समारोह में सदर विधान सभा क्षेत्र के 83, नौतनवा के 61, सिसवा के 32, फरेंदा के 19, पनियरा के 31 जोड़ों का विवाह हुआ। सामूहिक विवाह के लिए आवेदन के बाद कुल 278 जोड़े पात्र मिले थे। इन सभी को विवाह के लिए बुलाया गया था, लेकिन 278 में से 226 जोड़े ही विवाह कराने पहुंचे। 52 जोड़े विवाह कराने नहीं पहुंचे।

आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायता का हो समयबद्ध निस्तारण

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक की ओर से सभी थानों के आईजीआरएस से संबंधित कर्मचारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में आईजीआरएस पर प्राप्त प्रकरणों के समयबद्ध तरीके से निस्तारण का निर्देश दिया गया। साथ ही आवेदक से फोन के माध्यम से फीडबैक लेने को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में सभी थानों, क्षेत्राधिकारी कार्यालयों व पुलिस कार्यालय पर नियुक्त आईजीआरएस से संबंधित पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। जिसमें एसपी ने आईजीआरएस कर्मियों से उनका कुशलक्षेम जाना। साथ ही समस्त लंबित जनशिकायतों का थानावार विवरण प्राप्त कर उसकी समीक्षा की। थानों व क्षेत्राधिकारी कार्यालयों पर नियुक्त आईजीआरएस पोर्टल पर कार्य करने वाले सभी पुलिस कर्मियों की ओर से निस्तारित की गई शिकायतों की गुणवत्ता की जांच की गई। एसपी आईजीआरएस फीडबैक के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा समस्याओं के समाधान के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी दशा में कोई भी आईजीआरएस प्रकरण डिफाल्टर न होने पाये। प्रार्थना पत्रों की जांच अधिकारी की ओर से मौके पर जाकर किया जाय। आवेदक का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है। इसलिए फीडबैक टीम आवेदक से फोन के माध्यम से फीडबैक प्राप्त करे। बैठक में एएसपी प्रवीण कुमार यादव, प्रभारी आईजीआरएस सेल विशुनदेव पांडेय आदि मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दबंगों ने युवक को पीटा, घर फूंका

संवाददाता—श्रावस्ती। कोतवाली भिनगा के भंगहा मोड़ के पास जमीन विवाद को लेकर शुक्रवार को कुछ दबंगों ने एक व्यक्ति को लाठी डंडे से पीट पीट कर घायल कर दिया। इसके साथ ही मामले को तूल देने के लिए एक महिला ने घर में आग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल टीम मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के मछरिहवा गांव निवासी तरुण कुमार मिश्र उर्फ बंटू मिश्र का भिनगा बहराइच मार्ग पर भंगहा मोड़ के पास आवासीय भूमि है। इस भूमि के कुछ भाग पर खजुहा झुनझुनिया के चेतराम वर्मा टीन शेड रख कर कब्जा कर रखा है। इसी वजह से आये दिन विवाद हुआ करता है।

बच्चों के साथ धरने पर बैठी महिला हुई बेहोश

संवाददाता—देवरिया। चोरी की घटना के पर्दाफाश की मांग को लेकर शहर के सुभाष चौक पर धरने पर शुक्रवार को अपने बच्चों के साथ बैठी महिला अचानक बेहोश हो गई। जिसके बाद मौके पर अफरा—तफरी मच गई। पुलिस कर्मियों ने पानी का छींटा मारकर उसे होश में लाया। साथ ही जल्द घटना का पर्दाफाश करने का आश्वासन दिया। शहर के साकेत नगर मोहल्ले की रहने वाली रिमता जायसवाल अपने चार बच्चों के साथ सुबह धरने पर बैठ गई। उसका कहना था कि चार माह पहले उसके आभूषण व अन्य सामान चोरी कर लिए गए। इस मामले में उसने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस जल्द घटना का पर्दाफाश करने का आश्वासन देती रही, लेकिन घटना का पर्दाफाश नहीं की।

जबकि वह एसपी व डीएम कार्यालय में भी धरना देकर गुहार लगा चुकी है। हर बार केवल उसे जल्द घटना के पर्दाफाश कर देने का आश्वासन ही मिला। आरोपी को पुलिस पहले ही चिन्हित कर चुकी है, बावजूद इसके घटना का पर्दाफाश नहीं हो रहा है।

जगतगुरु परमहंस आचार्य ने किया अयोध्या धाम कैफे का किया शुभारंभ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या में प्रभु श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद लगभग सभी कार्य वैदिक सनातन परंपरा के अनुसार किए जा रहे हैं जो पाश्चात्य सभ्यता थी उसकी विदाई हो गई है उक्त बातें रामसेवक पुरम के पास लवकुश नगर में अयोध्या धाम कैफे के शुभारंभ के दौरान जगतगुरु परमहंस आचार्य ने पत्रकारों से बताया। उन्होंने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में प्रतिदिन लाखों लाख श्रद्धालु आज रहे हैं उनकी सेवा और सुविधा के लिए अयोध्या वासी तत्पर हैं और उन्हीं की सेवा के लिए हमारे शिष्य लल्लन यादव ने अयोध्या धाम कैफे का शुभारंभ किया है जिसमें शुद्ध शाकाहारी स्वातिक प्रसाद अयोध्या में आने वाले भक्तों को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कैफे का उद्घाटन सनातन परंपरा के अनुरूप पूजन पाठ और सत्यनारायण भगवान की कथा सुनकर हुआ है निश्चित ही यहां श्रद्धालुओं के योग्य प्रसाद मिलेगा। कैफे के संचालक अमन यादव ने बताया कि प्रभु श्री राम लला की धरती पर और जहां भगवान श्री राम के मूर्ति बनाने के लिए आए हुए पत्थर को रखा गया है रामसेवक पुरम में वहां पर दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की सेवा का अवसर हमें प्राप्त हो रहा है निश्चित ही अयोध्या के अनुरूप शुद्ध शाकाहारी प्रसाद जिसमें दाल चावल रोटी छोला भटूरा चाइनीस फूड फास्ट फूड श्रद्धालुओं को दिया जाएगा कहीं से कोई कमी नहीं होगी साफ सफाई होगी शुद्धता से प्रसाद बनेगा और श्रद्धालुओं को पूरे श्रद्धा भाव के साथ खिलाया जाएगा, जिससे अयोध्या में आने वाले श्रद्धालु अयोध्या से बाहर जाने पर अयोध्या की प्रशंसा करे। शुभारंभ के दौरान दर्जनों राकेश तिवारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे सभी का स्वागत अमन यादव ने किया।

सरकारी स्कूल में बार—बालाओं का अश्लील डांस, अध्यापक सस्पेंड

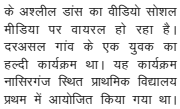

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के जमुना क्षेत्र के नसीरगंज प्राथमिक विद्यालय परिसर के अंदर बार—बालाओं के अश्लील डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल गांव के एक युवक का हल्दी कार्यक्रम था। यह कार्यक्रम नासिरगंज स्थित प्राथमिक विद्यालय प्रथम में आयोजित किया गया था। इसमें नृत्यांगनाओं की ओर से दुमके लगाए गए। नृत्य का वीडियो इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल होते ही शिक्षा विभाग हरकत में आ गया। मामले को संज्ञान लेते हुए बीएसए ने तत्काल प्रभाव से विद्यालय के शिक्षक को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच के लिए इकौना बीईओ को नामित किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय के मुख्य द्वार का गेट टूटा होने के कारण इसमें किसी भी तरह का आयोजन करने के लिए कोई किसी से परमिशन नहीं लेता है। इसी क्रम में हल्दी कार्यक्रम का आयोजन रात में किया गया। लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि डांस पार्टी में गांव के युवकों ने नशे में होकर बार—बालाओं के साथ जमकर दुमके लगाएं और नोटों की गड्डियां उड़ाई गईं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार ने इंटरनेट मीडिया पर विभाग की छत धूमिल करने विद्यालय परिसर मेंनृत्यांगनाओं की ओर नृत्य संचालित होने देने विद्यालय के लिए प्राप्त कंपोजिट अनुदान की धनराशि का दुरुपयोग करने, बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने व शिक्षक सेवा नियमावली का उल्लंघन करने को लेकर विद्यालय के प्रधान शिक्षक विजय कुमार वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

सनातन संस्कृति की तरफ लौट रहे हैं युवा —राम उजागर दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद जहां अयोध्या में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का आना हो रहा है वहीं दूर—दूर से लोग अयोध्या में आकर अपने धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद धार्मिक और आर्थिक रूप से अयोध्या का विकास हुआ है लोग अपने सनातन परंपरा के अनुसार ही अपने धार्मिक संस्कार सम्पन्न कर रहे हैं, या हम यूं कह सकते हैं कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लोगों का झुकाव सनातन संस्कृति की तरफ बढ़ा है। इसी क्रम में हनुमान गुफा मार्ग पर स्थित श्री परमहंस आश्रम में, श्री दयाराम दास मानस सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में, सचिव और आश्रम के अधिकारी राम उजागर दास महाराज के संयोजन में दिल्ली से बटुक ध्रुव सिंह का 11 वर्ष की उम्र में उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान बटुक के पिता रजनीश कुमार सिंह और माता स्वाति सिंह उपस्थिति रही और उन्होंने कहा कि यह हमारी परंपरा है और इसको कायम रखना हमारा कर्तव्य राम लला के प्राणप्रतिष्ठा के बाद हमारी इच्छा थी की पुत्र का उपनयन संस्कार अयोध्या में हो और आज महाराज जी की संरक्षण में संपन्न हुआ हमें बहुत खुशी है। अधिकारी राम उजागर दास महाराज ने बताया निश्चित रूप से श्री राम लला जब से अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए हैं हमारे सनातन संस्कृति को, जो कुछ लोग भूल गए थे पाश्चात्य संस्कृति के तरफ बढ़ रहे थे वह भी सनातन संस्कृति के तरफ लौट रहे हैं,हमारे भारत की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए, क्योंकि हमसे प्रतिदिन युवाओं से संवाद होता है, अब उनका झुकाव हमारे सनातन संस्कृति की तरफ अधिक बढ़ रहा है, यह गौरव का विषय है और इसी क्रम में आज दिल्ली से आए एक प्रतिष्ठित परिवार के बालक का उपनयन संस्कार पूरे विधि विधान से वैदिक परंपरा के अनुसार आश्रम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पधारे सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं, जो वह हमारे धर्म परंपरा को आगे बढ़ाने कार्य कर रहे हैं।

सपा सांसद ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, कहा– सपा कार्यकर्ताओं का किया जा रहा उत्पीड़न

संवाददाता–अयोध्या। शुक्रवार को सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रेसवार्ता कर पुलिस पर आरोप लगाए। मतदान के दिन भाजपा कार्यकर्ता की पिटाई के आरोप में आठ सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ खंडासा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। मिल्कीपुर सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान संपन्न हुआ। सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि खंडासा पुलिस हमारे सपा कार्यकर्ताओं को पकड़कर जंगल में ले गई। गाड़ी में शराब की बोतल रखी और फोटो खींचा। सपा कार्यकर्ताओं के हाथ के नाखून निकालने की कोशिश की गई। उनको लाठियों से पीटा गया। कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें चाहे गोली मार दो लेकिन हम अखिलेशवादी रहेंगे, अवधेश वादी रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न हो रहा है। जबकि भाजपा कार्यकर्ता मखौली बूथ पर बूथ कैप्चरिंग कर रहा था। इसको रोकने के लिए सपा कार्यकर्ता आगे आए थे। उसके बाद सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। अयोध्या पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है।

मिल्कीपुर उपचुनावः सुबह पांच बजे से शुरू होगी मतगणना प्रक्रिया, 14 टेबलों पर होगी गिनती

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए शनिवार सुबह पांच बजे मतगणना की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राजकीय इंटर कॉलेज में वोटों की गिनती के लिए पंडाल बनाकर 14 टेबल सज गई हैं। इन टेबलों पर मतगणना करने वाले 76 कार्मिकों को अंतिम प्रशिक्षण भी दे दिया गया है। इस दौरान आरओ और एआरओ के साथ हर टेबल पर माइक्रो ऑब्जर्वर निगरानी करेंगे।

जिला प्रशासन ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतगणना की सभी तैयारियों को शुक्रवार को अंतिम रूप दे दिया। मतगणना स्थल जीआईसी में सुरक्षा के कड़े प्रबंध प्रभावी किए गए हैं। मुख्य द्वार पर ही बैरिकेडिंग लगा दी गई है। यहां से सिर्फ पास धारकों को ही प्रवेश मिल सकेगा। परिसर में मतगणना टेबलों के पंडाल के अलावा आरओ, एआरओ, मेडिकल कैंप और मीडिया के साथ प्रशासन व पुलिस के अफसरों के बैठने के लिए भी पंडाल बनाए गए हैं। समूचे परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। बड़ी स्क्रीन की एलईडी लगाई गई है। इस पर विभिन्न सीसीटीवी कैमरों की फुटेज प्रसारित होते रहेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी मतगणना कार्मिक प्रभारी कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि मतगणना के लिए 14 टेबल लगाई गई है। इसके अलावा दो टेबल आरओ वा एआरओ व तीन रिजर्व टेबल होंगी। हर टेबल पर चार कार्मिकों की तैनाती रहेगी। इनमें एक काउंटिंग सुपरवाइजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट, एक माइक्रो ऑब्जर्वर और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। मतगणना की प्रक्रिया सुबह पांच बजे तीसरे रेंडमाइजेशन के साथ शुरू हो जाएगी। सभी मतगणना कार्मिक सुबह छह बजे पहुंच जाएंगे। आठ बजे से वोटों की गिनती का काम शुरू होगा। चक्र वार परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसके पहले शुक्रवार को सुबह 11 से एक बजे तक मतगणना कार्मिकों की 19 टीमों को विकास भवन के सभागार में अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। हर टीम में चार के हिसाब से 76 कार्मिक मौजूद रहे। इस दौरान कोई भी कार्मिक अनुपस्थित नहीं रहा। इनके अलावा एक पोस्टल बैलेट गणना टीम और एक ईपीपीबीएस टीम के सदस्य भी प्रशिक्षण में शामिल हुए। सीडीओ के साथ डीडीओ महेंद्र देव और पीडी गिरीश पाठक की मौजूदगी में छह मास्टर ट्रेनरों ने सभी कार्मिकों को प्रशिक्षित किया। इन्हें बताया गया कि ईवीएम को वोटों की गिनती के लिए किस तरह संचालित करना है। कोई समस्या आती है तो उसके निदान की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। इस बीच शाम को डीएम चंद्र विजय सिंह और एसएसपी राजकरन नय्यर ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप से परखा।

इन सबके बीच अब फैसले की घड़ी आ गई है। शनिवार को सुबह मतगणना शुरू होने के साथ रूझान आने लगेंगे। फिर इसके बाद दोपहर तक पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। वैसे तो दिल्ली के भी चुनाव नतीजे आठ फरवरी को ही आएंगे लेकिन वहां से कम उत्सुकता यहां के परिणाम को जानने के लिए नहीं होगी। इसके लिए बस अब कुछ घंटों का ही इंतजार करना है। इसके बाद सब कुछ सामने होगा।

रामनगरी में बनेगा ढाई किलोमीटर लंबा नया कारिडोर

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में पिछले एक पखवाड़े से निरंतर आस्था की धारा प्रवाहित हो रही है। अब तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। भीड़ नियंत्रण व रामलला के सुगम दर्शन के लिए प्रशासन जल्द ही नया यातायात प्लान लागू करने की तैयारी में है। रामजन्मभूमि पथ की तर्ज पर ही 75.67 करोड़ की लागत से 2.5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस कॉरिडोर का प्रयोग राममंदिर के दर्शनार्थियों के लिए किया जाएगा। प्रयागराज महाकुंभ के श्रद्धालुओं के पलट प्रवाह से रामनगरी में लगातार भीड़ पहुंच रही है। इस समय रोजाना करीब पांच लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रामलला के दरबार में रोजाना दो से ढाई व हनुमानगढ़ी में भी लगभग इतने ही श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। मौनी अमावस्या के आस–पास भीड़ का दवाब इस कदर बढ़ गया कि अधिकारियों को मोर्चा संभालना पड़ा। एक–एक दिन में 15 से 20 लाख श्रद्धालु पहुंच रहे थे। आनन–फानन में भीड़ नियंत्रण के लिए रामपथ पर बैरीकेडिंग कर दी गई। श्रद्धालुओं को टेढ़ीबाजार से रामजन्मभूमि के पीछे जाने वाले रास्ते की ओर भेजा गया। इसी रास्ते से श्रद्धालु राममंदिर तक पहुंच रहे हैं। साथ ही सरयू घाट व अन्य मंदिरों में भी इसी रास्ते से होकर श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अब नये यातायात प्लान के तहत इस रास्ते को कॉरीडोर में बदलने की कवायद शुरू की जा रही है। इस योजना का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है, स्वीकृति मिलते ही मार्च माह से काम शुरू करने की योजना है।

राममंदिर में भी भीड़ नियंत्रण के लिए नया प्लान बनाया जा रहा है। बैगेज स्कैनर के पास बने चबूतरों को तोड़ा जा रहा है। बैगेज स्कैनर से सामान जमा करने के बाद अचानक भीड़ निकल रही थी इससे दवाब बढ़ रहा था। काफी श्रद्धालु चबूतरे का इस्तेमाल बैठने व आराम करने के लिए भी करते थे, इससे भीड़ का दवाब बढ़ रहा था। 20 से 25 चबूतरे यहां बने हैं। इसे तोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके तोड़ने से यहां काफी जगह मिल जाएगी और श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।गौरव दयाल, मंडलायुक्त, ने कहा कि रामकोट इलाके को कॉरीडोर के जरिये भीड़ व जाम से मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे श्रद्धालु राममंदिर में प्रवेश करेंगे। दर्शन के बाद निकल जाएंगे। कई रास्ते होने से भीड़ स्थिर नहीं होगी। पूरी अयोध्या में यातायात प्रभावित नहीं होगा। 75 करोड़ की लागत से 2.5 किलोमीटर लंबे कॉरीडोर का निर्माण प्रस्तावित है। शासन को योजना भेज दी गई है। स्वीकृति मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

जर्जर मकान गिरने से एक घायल

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के महुआपार में शुक्रवार को जर्जर मकान भरभरा कर गिर गया। मकान के मलबे के नीचे दबकर अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सहजनवा क्षेत्र के महुआपार निवासी 55 वर्षीय प्रेम भगत पुराने जर्जर मकान में पत्नी व बेटी के साथ रहते हैं। वह मकान के आगे कुछ टीनशेड भी डाल रखे हैं। दोपहर में पत्नी और बेटी खेत में चली गई थी। अधेड़ जर्जर मकान में दोपहर के समय सो रहे थे।

हनुमानगढ़ी के पास पुलिस–व्यापारियों में विवाद, भक्ति पथ की सारी दुकानें बंद, हंगामा

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या जिले में शुक्रवार को हनुमानगढ़ी मंदिर के पास व्यापारियों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। पुलिस पर व्यापारी को मारने–पीटने का आरोप लगा है। एक दुकानदार का सिर फट गया है। विरोध में दर्जनों व्यापारी धरना प्रदर्शन के लिए बैठ गए। व्यापारी पुलिस के विरोध में नारे लगाने लगे हैं। हंगामा पर पुलिस लाठी फटकर कर लोगों को हटाने की कोशिश तो व्यापारी और भड़क गए। इसके बाद व्यापारियों ने भक्ति पथ पर सभी दुकानें बंद कर दीं। पुलिस समझाने में लगी है। जानकारी के मुताबिक, घटना श्रीराम जन्मभूमि के हनुमानगढ़ी थाना क्षेत्र की है। शुक्रवार को हनुमानगढ़ी दर्शनार्थियों की रेलिंग में लगी लाइन में श्रद्धालुओं को करीब से जाकर व्यापारी प्रसाद बेच रहे थे। इतने में अचानक पुलिस की टीम ने सभी को डंडे फटकार कर हटाना शुरू कर दिया। आरोप है कि कई को मारा भी। इसमें एक व्यापारी का सिर भी फट गया। इसके बाद मामला बढ़ गया है। पुलिस और व्यापारियों में विवाद तेज हो गया। विवाद के बाद हंगामा होने लगा। पिटाई के विरोध में व्यापारियों ने प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित व्यापारियों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। इसके बाद हनुमानगढ़ी के भक्ति पथ के व्यापारियों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाकर कर प्रसाद इत्यादि की दुकानों को बंद कर दी हैं और पुलिस के खिलाफ विरोध जता रहे हैं। सूचना के बाद मौके पर पुलिस अफसर भी पहुंच गए हैं। पुलिस उन्हें समझाने के प्रयास में जुटी हुई है। उधर, गुस्साए व्यापारी कार्रवाई पर अड़े हैं। दुकानदार व्यापारी मानने को तैयार नहीं हैं।

खली घर पाकर चोरों ने बनाया निशाना, बीस लाख के जेवर, 1.70 लाख नकदी चोरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के कंदवा बाजार में महाकुंभ स्नान पर गए परिवार के खाली घर को निशाना बनाकर चोरों ने घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर चलते बने। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की है। कन्दवा बाजार निवासी श्याम बिहारी मिश्र अपनी पत्नी व बहू–बेटे के साथ पांच फरवरी को प्रयागराज महाकुंभ स्नान के लिए गए हुए थे। परिवार के महाकुंभ स्नान पर जाने का फायदा उठाते हुए चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर के अंदर के कमरों के ताले भी तोड़े और वहां रखे सामान की चोरी कर ली। छह फरवरी को पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखा और तुरंत श्याम बिहारी को फोन कर सूचित किया। सूचना मिलते ही परिवार रात में ही वापस लौट आया और अगले दिन पुलिस को घटना की जानकारी दी। पीड़ित श्याम बिहारी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि चोरों ने परिवार के सदस्यों के सोने के गहने जिनमें तीन चेन, दो मंगलसूत्र, तीन हार, छह कंगन, नौ अंगूठियां, एक ब्रेसलेट, दो झाले, चार बालियां और तीन नथुनियां शामिल है को चुरा लिया। इसके अलावा 45 चांदी के सिक्के, डेढ़ किलो चांदी की पायल, डेढ़ किलो पावजेब, बिछुआ, ब्रेसलेट, चांदी के दो सेट बर्तन, एक प्लेट, चम्मच, गिलास भी ले गए। चोरों ने अलमारी में रखे एक लाख सत्तर हजार रुपए की नकदी, चार कलाई घड़ियां और एक मोबाइल फोन भी चुरा ले गए। घटना स्थल का पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जायजा लिया। थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद ने कहा कि तहरीर मिली है। पुलिस टीम जांच में जुटी है। जल्द ही खुलासा होगा।

खड़ी टैंक से 200 लीटर डीजल चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–खजनी मार्ग पर खड़ा टैंक से चोरों ने 200 लीटर डीजल चोरी कर फरार हो गए। कंपनी के शाखा प्रबंधक के तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई है। बीआरएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के टैंक में डीजल भराकर गोरखपुर से खजनी रोड के लिए भेजा गया था।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 656/1996
चन्द्रभान आदि
बनाम
शोभनाथ आदि

1/2 रमेश दूबे 1/3 दिनेश दूबे 1/4 राजेश दूबे 1/5 अवधेश दूबे 1/7 अरूण दूबे पुत्रगण स्व0 शोभानाथ 1/8 दुर्गावती 1/9 ममता उर्फ गुड्डन पुत्रीगण स्व0 शोभानाथ साकिनान मौजा दुबौली तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 266/97
कृपाराम
बनाम
बब्बन आदि

2/1 प्रेम प्रकाश 2/2 चन्द्र प्रकाश 2/3 रवि प्रकाश पुत्रगण स्व0 रामलाल 2/4 श्रीमती पूनम 2/5 श्रीमती पूर्णिमा पुत्रीगण स्व0 रामलाल साकिनान मौजा मेनरोड खलीलाबाद तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 10–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

NOTICE

I Solemanly affirm and state on oath that my name is Sharad Pandey S/o Shri Anoop Kumar Pandey R/O Village Ramwapur Pandey P.O. Walterganj P.S. Walterganj Distt. Basti. I Solemanly Affirm and state on oath That my fathers correct name is Anoop Kumar Pandey but in School document my fathers name is written Anoop Kr. Pandey which is in correct. I Solemnal Affirm and state on oath that my fathers correct name is Anoop Kumar Pandey. So In all School Papers where Anoop Kr. Pandey is written should be interd as correct name Anoop Kumar Pandey.

Sharad Pandey

बाजार गए युवक का मोबाइल छीना

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा सेक्टर 22 निवासी युवक का मोबाइल बाइक सवार छीनकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गीडा सेक्टर 22 निवासी दीपक कुमार बाजार करने जा रहे थे। वह मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे, उसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 914/2010
नीलू
बनाम
रनबहादुर

2/1 अनीश उम्र लगभग 40 वर्ष 2/2 सतीष उम्र लगभग 35 वर्ष 2/3 सनीस उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण स्व0 गायत्री देवी पत्नी रन बहादुर 2/4 श्रीमती खुसबू पत्नी लामालुम पुत्री स्व0 गायत्री देवी पत्नी रनबहादुर निवासी ग्राम देवहना हाल मुकाम साकिन पाखेरी तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 69/10
शैल कुमारी–सायलान

1. अजय कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 श्याम बिहारी लाल श्रीवास्तव 2. श्रेयांशी श्रीवास्तव पुत्री अजय कुमार श्रीवास्तव निवासी नई कालोनी बैरिहवा हाल मुकाम राप्तीनगर फेज–3 पो0–चरगांवा जिला–गोरखपुर

तारीख पेशी 21–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरिका नम्बर– 45/2024
बिरजू आदि
बनाम
हरीराम आदि

1. हरीराम पुत्र नोहर 2/1/1 धर्मेन्द्र 2/1/2 छोटू पुत्रगण राममिलन 2/1/3 इन्द्रावती पत्नी राममिलन 2/2 श्रीमती पार्वती पुत्री शिवराज 2/3 श्रीमती रामरती पुत्री शिवराज 2/4 मु0 बुधना पत्नी शिवराज 3. मोती पुत्र शिवबालक 5/1 रामशब्द पुत्र लालसा 5/2 शान्ती 5/3 मान्ती पुत्रीगण लालसा निवासीगण ग्राम भेलवासी तप्पा अमानाबाद परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 11–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 11 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 07 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सि0 प्रकीर्ण सं0–142/2024
अदालत– श्रीमान षष्टम् अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विजय कुमार गुप्ता
बनाम
केदारनाथ आदि

1. श्रीमती सुमन देवी उम्र 66 साल पत्नी स्व0 केदारनाथ 2. श्रीमती खुशबू वर्मा उम्र 34 साल पत्नी स्व0 सोनू 3. कु0 शिया वर्मा उम्र 8 साल पुत्री स्व0 सोनू वलवल्यत माता श्रीमती खुशबू वर्मा निवासीगण मंगल बाजार चिकवा टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–03–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिया महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–558/2020
रामसुख
बनाम
तिलकराम आदि

1. तिलकराम 2. राजेन्द्र प्रसाद पुत्रगण राम पियारे निवासी ग्राम मसही तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 285/2017
हरिवंश
बनाम
हदीश आदि

1/1 गुलाम नवी पुत्र स्व0 हदीश निवासी ग्राम बेलाकला तप्पा मेहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 1/2 रेहाना पुत्री हदीश पत्नी अली अहमद निवासी ग्राम व पोस्ट लोहरसन तप्पा बखिरा परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 1/3 नूरजहाँ खातून पुत्री हदीश पत्नी हसन रजा निवासी ग्राम व पोस्ट मनझरिया पठान तप्पा बेलहर परगना मगहर पूरब जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 19–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–916/2020
रामचन्दर
बनाम
सूर्य प्रकाश ओझा आदि

1. सूर्य प्रकाश ओझा उम्र लगभग 68 वर्ष पुत्र श्री ब्रिज बिहारी ओझा निवासी सुगर मिल कालोनी बस्ती पोस्ट सुगरमिल बस्ती
प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. दी बस्ती शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड बस्ती जिला–बस्ती रजिस्टर्ड आफिस 207 एस्सेल हाउस 10 आफिस अली रोड दिल्ली 110006 द्वारा अधिकृत श्री योगेन्द्र सिंह भटनागर पुत्र स्व0 श्री लक्ष्मण सिंह भटनागर निवासी रंजीत कालोनी मालवीय रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती जिला बस्ती
प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 05–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com